अमरोहा-उ.प्र.। शिवरात्रि के उपलक्ष्य में गुब्बारे उड़ाकर ईश्वरीय संदेश देते हुए व्यापारी सुरक्षा फोरम के अध्यक्ष खत्री मनोज टंडन, ब्र.कु. मनीषा व अन्य।

सिरसा-हरियाणा। श्री कृष्ण संकीर्तन महिला मण्डल की रजत जयन्ती समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किये जाने पर वहाँ 'सबका मालिक एक और चलो प्रश्नों से पार' विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. अनीता दीदी,चण्डीगढ़। साथ हैं गुरुद्वारा ग्रन्थी रणवीर सिंहजी, ब्रह्मचारिणी कलावती बहन, जनक बाबा जी, ब्र.कु. सुभाष, ब्र.कु. प्रीति तथा अन्य चित्र में महिला मण्डल की सदस्य।

दसुआ-पंजाब। सेंट पॉल्स कॉन्वेन्ट स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. सुमन को शील्ड देकर सम्मानित करते हुए प्रिन्सीपल सिस्टर लिस बेथ तथा फादर विल्सन पीटर।

रेनुकूट-उ.प्र.। ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् सी.आई.एस.एफ. के डेप्युटी कमाण्डेंट मनीष जी को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. राजकन्या।

हरदुआगंज-उ.प्र.। आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान ईश्वरीय स्मृति में नगरपालिका चेयरमैन तिलक राज यादव, अधिशासी अधिकारी महिमा मिश्रा, थानाध्यक्ष विनोद कुमार, क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष मनोज चौहान, महामंत्री सुभाष सिंह व भारत सिंह, ब्र.कु. कमलेश तथा सत्य प्रकाश।

गुमला-झारखण्ड। आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान सार्जन मेजर कामेश्वर जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शांति।

संसार में होते हैं दो प्रकार के मनुष्य

सोलहवें अध्याय में परमात्मा ने मनुष्य जीवन में दैवी और आसुरी स्वभाव का प्रभाव किस तरह पड़ता है, इसका वर्णन किया है। संसार में सृजित प्राणी दो प्रकार के हैं - दैवी स्वभाव वाले तथा आसुरी स्वभाव वाले। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सद्गुणों रूपी दैवी सेना और दुर्गुणों रूपी आसुरी सेना एक-दूसरे के सामने खड़ी है, जिसका रूपात्मक वर्णन वेद में इंद्र और भातृ के रूप में, पुराण में देव और दानव के रूप में किया गया है। ईसाई धर्म में, प्रभु और शैतान के रूप में किया है। इस्लाम में अल्लाह और इब्लीस के रूप में किया है। इस तरह से दैवी और आसुरी प्रकृति हर इंसान में मौजूद है और युद्ध या संघर्ष की बातें जो की गई हैं, वो इनके बीच के संघर्ष की बात है।

-ब्र.कु.ऊषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

पहले श्लोक से लेकर तीसरे श्लोक तक आध्यात्मिक जीवन जीने वाले एक सुसंस्कृत पुरुष के आदर्श गुण कौन-से हैं उसका वर्णन किया गया है। चौथे श्लोक से लेकर उन्नीसवें श्लोक तक आसुरी सम्पदा वाले मनुष्यों के लक्षण और उनकी अधोगति का वर्णन किया गया है। बीसवें श्लोक से चौबीसवें श्लोक तक, शास्त्र विरुद्ध आचरण के त्याग और शास्त्रानुकूल आचरण की प्रेरणा, इस विषय में स्पष्ट किया गया है। इस प्रकार सबसे पहले आध्यात्मिक जीवन जीने वाले सुसंस्कृत पुरुष के आदर्श दिव्य गुणों को इस तरह से भगवान ने स्पष्ट किया है कि व्यक्ति अभय बनता जाता है, उसके जीवन में कोई भय नहीं रहता है। अंत:करण की शुद्धि, ज्ञान योग में दृढ़ स्थिति, मानसिक स्थिति, दान, इन्द्रियों का संयम, यज्ञ, स्वाध्याय, तपस्या, सरलता, अहिंसा, सत्यता, क्रोध मुक्ति, त्याग, शांति, परचिंतन और परदर्शन से मुक्ति, सर्व के प्रति दया एवं करुणा भाव, लोभ मुक्ति, मृदुता और विनयशीलता, दृढ़ संकल्पधारी, तेज, क्षमा, धैर्य, पवित्रता, ईर्ष्या और सम्मान की अभिलाषा से मुक्ति, ये उसके विशेष सद्गुण होते हैं और दिव्य गुण होते हैं। इनसे उसके जीवन में आध्यात्मिकता पनप सकती है। सुसंस्कृति उसके संस्कारों में आने लगती है। तो यही उसके सर्व प्रथम लक्षण हैं। उसके साथ ही आसुरी प्रवृत्ति वाले मनुष्य में कौन-से अवगुण होते हैं या उसके जीवन में कौन से लक्षण दिखाई देते हैं? उसको स्पष्ट करते हुए भगवान ने बताया है कि आसुरी प्रवृत्ति वाले मनुष्य के मत में ये संसार मिथ्या, निराधार और ईश्वर रहित है। जो ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। वे यह मानते हैं कि यह संसार कामेच्छा से उत्पन्न होता है। विषय भोग ही उनके जीवन का परम लक्ष्य है। ऐसे कभी न तृप्त होने वाली कामनाओं से भरपूर, दम्भी, अभिमानी, क्रोधी, कठोर, अज्ञानी और मद से युक्त ,अशुभ संकल्प वाले, मोह ग्रस्त, दुष्ट इच्छाओं में प्रवृत्त रहने वाले, मंद बुद्धि, अपकारी, कुकर्मी मनुष्य केवल संसार का नाश करने के लिए ही उत्पन्न होते हैं। उनमें न पवित्रता, न उचित आचरण और न ही सत्यता पायी जाती है। ऐसे लोगों में ये लक्षण स्पष्ट दिखाई देते हैं। - क्रमश:

मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें
आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड चैनल'

'Peace of Mind' channel
TATA Sky 1065 airtel 678
videocon d2h 497 Reliance 640
FASTWAY GTPL DEN hathway UCN SITI

FREE DTH
Free to Air
KU Band with MPEG (DVB-S/S2) Receiver
LNB Freq. - 10600/10600
Tans Freq. - 11911
Polarization - Horizontal
Symbol - 44000
22k - On
Satellite - ABS-2; 75° E
Contact
Brahma Kumaris, 2nd Flr Anand Bhavan, Shantivan, Sirohi, Abu Rd, Raj-307510
+91 9414151111
+91 8104777111
info@pmtv.in
www.pmtv.in

ख्यालों के आईने में...

नींद और निंदा पर जो विजय पा लेते हैं, उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। और... जो चीज़ आपको चैलेंज करती है, वही आपको चेंज कर सकती है।

वृक्ष के नीचे पानी डालने से सबसे ऊँचे पत्ते पर भी पानी पहुँच जाता है, उसी प्रकार प्रेम पूर्वक किये गये कर्म परमात्मा तक पहुँच जाते हैं।
सेवा सभी की करिये, मगर आशा किसी से भी ना रखिये, क्योंकि सेवा का सही मूल्य भगवान ही दे सकते हैं, इंसान नहीं।

जीवन में बुराई अवश्य हो सकती है, मगर जीवन बुरा कदापि नहीं हो सकता, जीवन एक अवसर है श्रेष्ठ बनने का, श्रेष्ठ करने का, श्रेष्ठ पाने का,
जीवन वो फूल है, जिसमें कांटे तो बहुत हैं, मगर सौंदर्य की भी कमी नहीं है।

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें...

कार्यालय- ओमशान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510, सदस्यता के लिए
सम्पर्क - M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org,
Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये, आजीवन 4500 रुपये। विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम से मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेयबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।